**MAHENDRA MODEL SCHOOL**

**PERIODIC-I (2019)**

**TIME:1hr. CLASS-XII (HINDI) MM.-40**

प्रश्न-1 :- निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (5×1=5)

प्रेमचंद की 'रोशनी' कहानी का 'कथावाचक' इंग्लैंड से आई.सी.एस. उत्तीर्ण कर अफ़सर के रूप में कार्यरत है। उसका विश्वास है कि पश्चिमी सभ्यता,शिक्षा और जीवन शैली से ही भारत का कल्याण होगा और इसकी अशिक्षा,जड़ता,अतीत-पूजा,पत्थर-पेड़-पूजा आदि का अंधकार इसी से दूर होगा,परन्तु उसके तूफ़ान में फँसने पर गाँव की एक देहातिन विधवा उसे मार्ग दिखती है और ध्यान रखती है कि गर्द-गुबार में वह रास्ता न भूल जाए। इस उपकार के बदले वह आई.सी.एस. अफ़सर से पाँच रुपए भी नहीं लेती। अफ़सर गाँव के लोगों को जाहिल,मुर्ख और बेखबर मानने की अपनी मूर्खता पर लज्जित होता है और देहाती औरत के साहस,कर्तव्यपालन,स्वाभिमान,सेवाभाव तथा ईश्वर-विश्वास आदि को देखकर मन लेता है कि एक देहातिन औरत भी आत्मिक शिक्षा एवं संस्कृति के उच्च स्थान पर बैठी हो सकती है,और इस आत्मिक उन्नयन के लिए पश्चिमी शिक्षा या जीवन-शैली की आवश्यकता नहीं होती। प्रेमचंद उस गँवार देहाती,अनपढ़,औरत को मनुष्यता के शीर्ष पर प्रतिष्ठित करते हैं जिसके प्रभाव से अंग्रेज संस्कृति का भक्त और भारतीयता से नाक-भौंह सिकोड़ने वाला अफ़सर भी एक अच्छा मनुष्य बन जाता है। प्रेमचंद की यही विशेषता है जो उन्हें अन्य कथाकारों से भिन्न पंक्ति में विशेष स्थान देती है। पढ़े-लिखे और संभ्रांत कहे जाने वाले पत्रों के दम्भ को वे अपनी कलम से तार-तार कर देते हैं।

क) प्रेमचंद को अन्य कहानीकारों से भिन्न क्यों माना गया है?

ख) गद्यांश में प्रेमचंद की किस कहानी का उल्लेख है?

ग) आई.सी.एस. अधिकारी की भारत के बारे में क्या धारणा थी?

घ) ग्रामीणों के प्रति अफसर की क्या धरना थी?

ड) अंततः उसे ग्रामीण महिला में किन गुणों के दर्शन हुए?

प्रश्न-2 :- निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (5×1=5)

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला उस-उस राही को धन्यवाद।

जीवन अस्थिर,अनजाने ही हो जाता पथ पर मेल कहीं

सिमित पग-डग, लम्बी मंजिल तय कर लेना कुछ खेल नहीं

दाएँ-बाएँ सुख-दुःख चलते सम्मुख चलता पथ का प्रमाद

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला उस-उस राही को धन्यवाद।

जो साथ न मेरा दे पाए उनसे कब सूनी हुई डगर

मैं भी न चलूँ यदि तो भी क्या राही मर,लेकिन राह अमर

इस पथ पर वे ही चलते हैं जो चलने का पा गए स्वाद

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला उस-उस राही को धन्यवाद।

क) कवि के अनुसार जीवन कैसा है?

ख) जीवन रुपी यात्रा में कैसे-कैसे अनुभव आते हैं?

ग) मंजिल तय करना खेल नहीं है-क्यों?

घ) जीवन रुपी डगर पर कौन चलते हैं?

ड) इसका शीर्षक लिखिए।

प्रश्न-3 :- आपके चाचा जी नई लोकसभा के सदस्य चुने गए हैं। लोकतंत्र में संसद की बैठकों के प्रति गंभीरता के अभाव पर अपना क्षोभ व्यक्त करते हुए उन्हें पत्र लिखिए। (5)

प्रश्न-4 :- सजग नागरिक पर एक फीचर लेखन लिखिए। (5)

प्रश्न-5 :- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर जनसंचार के माध्यम के आधार पर दीजिए :- (5)

क) समूह संचार का क्या आशय है?

ख) किन्ही दो मुद्रित माध्यमों के नाम लिखिए।

ग) समाचारों को छपने योग्य बनाने वाले विभाग का नाम लिखिए।

घ) छापेखाने का आविष्कारक कौन है?

ड) आजादी से पहले कौन-कौन प्रमुख पत्रकार हुए?

प्रश्न-6 :- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (6×2=12)

1. कवि को यह संसार अपूर्ण क्यों लगता है? वह क्या चाहता है?
2. पतंग नामक कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।
3. पतंग उड़ाते बच्चों की बेसुधी का वर्णन कीजिए।
4. भारतीय ग्रामीण समाज में लड़के-लड़कियों के बीच में किये जाने वाले भेदभाव का वर्णन कीजिए।
5. भक्तिन की पारिवारिक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिये।
6. लेखक ने किस बाजार को मानवता के लिए विडंबना कहा है और क्यों?

प्रश्न-7 :- निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर वितान के आधार पर दीजिए:- (3)

क) यशोधर बाबू की कहानी को दिशा देने में किशन दा की महत्वपूर्ण भूनिका रही है। आपके जीवन को दिशा देने में किसका महत्वपूर्ण योगदान रहा और कैसे?